प्रतियोगिता आयोजित की गई. उनका दूसरा राष्ट्रीय स्वर्ण पदक है. जनवरी में गल्स

Navabharat - 09-04-24

वन हेल्थ कॉन्सेप्ट पर जोर

नीरी का 66वां स्थापना दिवस

■ **नागपुर,** व्यापार प्रतिनिधि.सीएसआईआर राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (नीरी) का 66वां स्थापना दिवस कार्यक्रम 8 अप्रैल को संपन्न हुआ. प्रमुख अतिथि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, (डीआरडीओ) रक्षा मंत्रालय भारत सरकार के विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक उपेंद्र कुमार सिंह और विशिष्ट अतिथि एसईआरबी के प्रो. वीएन गोस्वामी थे. नीरी के निदेशक अतुल वैद्य भी उपस्थित थे. इस अवसर पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. अपने संबोधन में डॉ. सिंह ने 2047 तक की चुनौतियों और आधुनिक तकनीकी के समन्वय के बारे में बताया. देश और समाज के हित में प्रमुख योजनाओं की आवश्यकता की जरूरत के बारे में कहा. भारत दुनिया की 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था है. संरचनात्मक और संस्थागत सुधार से इसका स्थान वर्ष 2047 तक अव्वल भी हो सकता है. उन्होंने देश के पहले पानीपत, हरियाणा में स्थापित 2जी इथेनॉल प्लांट के बारे में बताते हुए कहा कि खेती से निकले कचरे से इथेनॉल, बिटूमेन और उड़ान का ईधन बनाने का कार्य होना चाहिए. उन्होंने वन हेल्थ कॉन्सेप्ट पर भी जोर दिया जिससे सृष्टि का स्थायी संतुलन होगा और मनुष्य के साथ-साथ जानवरों के स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ेगा.

समस्या का हल करना अनिवार्य

■ प्रो. गोस्वामी ने अपने संबोधन में मौसम में बदलाव और स्थायी विकास पर बोलते हुए कहा कि वैश्विक पर्यावरण मुद्दों पर जाने से पहले स्थानीय मुद्दों का समाधान करना जरूरी है. उन्होंने कहा कि पिछले 200 वर्षों में मनुष्य की गतिविधियों ने प्राकृतिक संतुलन को काफी हद तक नुकसान पहुंचाया है.

■ उन्होंने सचेत किया कि कार्बनडाई ऑक्साइड का प्रदूषण का प्रमाण 423 पीपीएम है और मिथेन का प्रमाण 1921 पीपीबी है जो एक बड़ी चेतावनी है. हालांकि बाकी देशों के मुकाबले भारत का प्रदूषण कम है. सीएसआईआर के निदेशक डॉ. अतुल वैद्य ने अपने स्वागत भाषण में नीरी की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला.

■ साइंस मॉडल प्रतियोगिता में कक्षा 5वीं से 7वीं के वर्ग में ललिता पब्लिक स्कूल, वर्धमाननगर विजेता रहा. कक्षा 8वीं से 10वीं के वर्ग में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय चांदा, भद्रावती प्रथम रहा. उसी तरह शहर की दि रॉयल गोंडवाना पब्लिक स्कूल और टीवी आरएएन मुंडले अंग्रजी मिडियम स्कूल दूसरे और तीसरे स्थान पर रही.

■ कक्षा 11वीं और 12वीं वर्ग में सांदीपनी जूनियर कॉलेज ने प्रथम पुरस्कार जीता. सीएसआईआर नीरी के अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया. कविता गांधी ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा प्रकाश कुंभारे ने आभार माना.

■ करीब 1,200 स्कूल और कॉलेज के बच्चों ने नीरी की प्रयोगशाला का मुआइना किया और वैज्ञानिकों से संवाद भी किया.